ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
24, AKBAR ROAD, NEW DELHI
COMMUNICATION DEPARTMENT

Highlights of Press Briefing **14 March, 2019**

Shri Randeep Singh Surjewala, In-charge Communications Department, AICC and Shri Shaktisinh Gohil, Spokesperson, AICC addressed the media today at AICC Hdqrs.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आज आपके समक्ष एक महत्वपूर्ण विषय लेकर शक्ति सिंह गोहिल जी और हम सब साथी आए हैं। विषय महत्वपूर्ण है और संक्षिप्त है। इससे पहले कि मैं शक्ति भाई से रिक्वेस्ट करुं I would like to say very-very briefly in English that a massive fraud and bungling in MPLAD funds of Union Minister Smt. Smriti Irani has been exposed. None less than the CAG report no. 4 of 2018 has exposed and implicated payment worth Rs. 5.93 or roughly 6 crores from MPLAD funds without any tender process including fraudulent payment of Rs. 84,53,000. In these circumstances, the only option for Smt. Smriti Irani is to be sacked forth with and an FIR section 13 (1) D of the prevention of corruption act and other provision of the Indian Penal Code to be lodged against her. This is a clear cut case of misuse of office, this is a clear cut case of financial bungling, this is a clear cut case of malfeasance and fraud vis a vis the public money, particularly, the MPLAD funds allocated to her. Without any delay and to state further detailed facts, I am going to request Shri Shaktisinh Gohil to point out the facts in detail to you.

श्री शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि कुछ ऐसी सच्चाईयां जो तथ्यों के साथ, जो सरकार गुजरात में भी भाजपा की है, वहाँ की सरकार के कलेक्टर ने खुद लिखे हुए लैटर की कॉपी कैग (Comptroller and Auditor General of India) बड़ी अच्छी तरीके से जांच करने के बाद सारी चीजें हाईलाइट हुई, जब दिल्ली में कांग्रेस की सरकार थी और कैग की रिपोर्ट में कुछ आ जाता था,भाजपा छत से चिल्लाती थी, कैग ने कह दिया, भगवान ने कह दिया। असल में हकीकत तो ये है कि मोदी जी कहते हैं वो आधा सच होता है, वो

कहते हैं खाता नहीं, खाने देता नहीं। सच्चाई ये है कि मोदी जी और उनके डियरेस्ट और नियरेस्ट करोंडो से कम खाते नहीं और सच बोलने वालों को चैन की रोटी खाने देते नहीं, ये सच्चाई है और इसका एक और नमूना आपके सामने आज हम दे रहे हैं। मोदी जी गुजरात से हैं, मैं भी गुजरात से हूं और हर गुजराती जानता है कि सबसे करीबी नेता भाजपा के, आज के मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सबसे करीबी रहे हैं, वो सांसद की ग्रांट, स्मृति ईरानी जी की, वो उनको मिली, गाँव गोद लिया, वो गाँव गोद नहीं लिया, गाँव को मिलने वाले पैसे खुद की जेब में किए। ये आनंद डिस्ट्रिक्ट के कलेक्टर ने सांसद की जो ग्रांट रिलीज करते हैं, डिप्टी सेक्रेटरी जनरल एडमिनिस्ट्रेशन विभाग, उसको उन्होंने खत लिखा और उससे पहले पूरी जांच हुई, डीपीओ, डिस्ट्रिक्ट प्लानिंग ऑफिसर, वरिष्ठ ऑफिसर की टीम जांच करने के लिए भेजते हैं और पाया जाता है कि स्मृति ईरानी जी के वहाँ से सीधा टेलीफोन आता है, वरना गाइड लाइन है, बिना टेंडर के, कोपरेटिव सोसाईटी है, उसको अगर आप काम देते हैं, तो एक एमपी के एक पूरे टेन्योर के 50 लाख से ज्यादा का आप नहीं दे सकते हैं और वो भी सिर्फ कॉन्ट्रैक्ट दे सकते हैं, काम दे सकते हैं, इम्प्लिमेंटिग ऐजेंसी, पूरे देश में आज तक कहीं ऐसा नहीं है कि इम्प्लिमेंटिग ऐजेंसी गवर्मेंट से हटकर कोई औऱ बन जाए, आपने भी कहीं और नहीं सुना होगा। आप कॉन्ट्रैक्ट दे सकते हैं, पर अम्लीकरण, इम्प्लिमेंटिग ऐजेंसी, वो तो सरकार की अथॉरिटी होती है। यहाँ जो गाइड लाइन है, एमपी लेड में काम कैसे दिया जाए। पैराग्राफ 3.21, 23.21.6, उसमें साफ लिखा है कि इम्प्लिमेंटिग ऐजेंसी गवर्मेंट ही रहेगी। स्मृति बहन की पता नहीं कौन से दिमाग की वो खिड़की खुल गई और उन्होंने फोन कर दिया कि नो, आपको गाइड लाइन में कुछ भी लिखा हो, मैं कहती हूं कि इम्लिमेमेंटिग ऐजेंसी आप शारदा मजूर सहकारी मंडली खेड़ा को बना दीजिए और इम्लिमेमेंटिग ऐजेंसी सरकार हट गई, प्राइवेट मंडली बन गई। इसके बाद स्मृति जी के कहने पर, ये सारा कागजात में है, टेलीफोनिक सूचना जाती है, काम दे दो। मैंने आपको पहले ही कहा कि पहले तो इम्लिमेमेंटिग ऐजेंसी गवर्मेंट के अलावा कोई हो नहीं सकता या इम्लिमेमेंटिग ऐजेंसी काम maximum during the tenure of MP**,** 50 लाख से ज्यादा हो ही नहीं सकता,दे ही नहीं सकते, वो भी गाइड लाइन है, ठुकरा दो उस गाइड लाइन को, क्योंकि ये कम नहीं खाते ना, करोड़ों से कम खाते नहीं, 50 लाख में तो करोड़ बनता नहीं। अमित

शाह के बेटे ने भी 50 हजार की कंपनी 80 करोड़ की बनाई थी, वो भी मोदी जी के नजदीक है, ये तो उनसे भी नजदीक है, तो ये कैसे हजार के, लाख के काम करेंगे, कह दिया कि करोड़ों का काम दे दो और सिर्फ कुछ जगह का, जो कलेक्टर ने सिर्फ जांच करवाई, उसके बाद तो आप बेचारे कलेक्टर साहब की क्या हालत हुई है, वहाँ से ट्रांसफर तो हुआ, परेशानियां झेल रहे हैं आज भी। उस कलेक्टर ने कुछ कामों की जांच करवाई तो पाया कि सारा फर्जी है, काम हुए नहीं, पैसे चांव कर लिए हैं, कलेक्टर ने कहा कि 4 करोड़ 8 लाख 43 हजार 44 रुपए इनसे रिकवरी करना पड़ेगा। जब 4 करोड़ की रिकवरी निकलती है, आप समझ सकते हैं काम कितना ज्यादा दिया होगा, 50 लाख का तो लिमिट था। This is the copy of the collector., गुजराती में लिखा हुआ है, आपको हिंदी में दे देंगे। तो ये भाजपा भय मुक्त भ्रष्टाचार करती हैं। यह इसका एक सिर्फ छोटा सा ट्रेलर है, इससे आगे तो बहुत कुछ है। आपको हम कैग की रिपोर्ट की कॉपी भी दे रहे हैं, सीएजी ने भी इसका बहुत गंभीर संज्ञान लिया, गंभीरता से संज्ञान लिया है, रिक्वरी के लिए भी कहा। अगर हमारे वहाँ थोड़ा सा भी होता तो उसका इस्तीफा मांगा जाता, पवन बंसल जी के भानजे के खिलाफ हुआ, उनके खिलाफ कुछ नहीं, फिर भी नैतिक आधार पर पवन बंसल जी ने इस्तीफा दिया, हालांकि मोदी जी एंड नैतिक always travel in opposite direction पर फिर भी चुनाव का माहौल है, तो अपनी खाल बचाने के लिए भी कम से कम जनता की अदालत में जाने का वक्त आया है। तो उस वक्त पर इस्तीफा करना चाहिए इनको, थोड़ा सा भी, इतना भी कहीं मोरल बचा है तो, या मोदी जी में भी कहीं उनकी अंतरात्मा जाग उठे, तो, क्योंकि ये मोदी जी के लिए चुनाव दो चरणों में होता है, एक जब कोड ऑफ कंडक्ट लगती है, तब मोदी जी होते हैं जनता के चरणों में और चुनाव के बाद सारी जनता होती है उनके चरणों में। तो ये जनता के चरणों में जाने वाला चरण चल रहा है, तब कम से कम मोदी जी इनको मंत्री पद से सैक करें, ये हम मांग करते हैं।

Shri Randeep Singh Surjewala said- While we are handing a copy of CAG report, I would like to take this opportunity to only read 7 lines out of it and the report is here and that report says- "The Hon'ble MP had recommended 276 works with an estimated cost of Rs. 8.93 crore for the years 2015-17. Of these, DPO

awarded 232 works with an estimated cost of Rs. 5.93 crore to Shri Sharda Majoor Kamdar Co-operative Society, Kheda, a Non-Government Organization (NGO). Audit observed that the selection of the NGO as IA was in contravention of the scheme guidelines and Government instructions, as no tender procedure was followed for its selection". Then it says further, "This indicated that the completion certificate issued by the NGO were incorrect, which resulted in the fraudulent payment of Rs. 13 lakh, then it further says, further the cost of shed and platform at Patel Samaj crematorium has been donated by some donors and not made from MPLAD funds, however, the DPO made full payment of Rs. 73.53 lakhs to the NGO on fake completion certificates submitted by the NGO. Serious lapses were observed in the 8 jointly verified works, where the NGO either not carried out the works allocated or the works were left incomplete. However the payment of Rs. 5.93 crore was made".

बात बड़ी सीधी है, या तो काम हुआ ही नहीं या काम डोनर्स के पैसे से हुआ। लगभग 6 करोड़ रुपए की पेमेंट एमपीललैड फंड से एक ऐसी सोसाईटी को दे दी, जो भाजपा के लोगों की है। जिनके साथ उनके चित्र जो हैं, वो स्मृति ईरानी जी के बहुत चहेते और नजदीक हैं, वो सब भी हम आपको जारी कर रहे हैं और ये रिपोर्ट भी हम रिलीज कर रहे हैं। ये हम नहीं कह रहे हैं, ये सीएजी कह रहे हैं, ये डिपार्टमेंट की अपनी ऑडिट रिपोर्ट कह रही है, जिसकी एक प्रतिलिपि हम आपको दे रहे हैं और ये कलेक्टर कह रहे हैं कि इन सबमें फ्रॉड हुआ है और इन सबके बावजूद भी आजतक कोई जांच नहीं हो पाई, क्योंकि मुनसिब भी खुद हैं और चोरी भी खुद के लोगों ने की है। इसलिए सीधा सीधा ये केस misuse of public office and public funds का है, स्मृति ईरानी जी को एक दिन भी अपने पद पर बने रहने का अधिकार नहीं। उम्मीद है कि अगर उनमें जरा सा भी सार्वजनिक जीवन के लिए कोई सम्मान और एथिक्स हैं, जिनकी वो चर्चा करती हैं, तो वो स्वयं इस्तीफा देंगी और कहेंगी कि एफआईआर दर्ज कर जांच करिए। नहीं तो हम ये मांग करते हैं कि उनको उनके पद से हटाया जाए, उनके खिलाफ सेक्शन 13(1)D, प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट में और भारतीय दंड संहिता की दूसरी धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाए।

This is clear cut case and investigation will prove the facts as have been brought out in the CAG report.

एक प्रश्न पर कि क्या आप इस मामले को अदालत में ले जाएंगे, श्री सुरजेवाला ने कहा कि बाकायदा इसके लिए कुछ साथी अदालत में गए हैं और बाकी के साथी भी अदालत में जाएंगे और जरुरत पड़ी तो हम अदालत के माध्यम से श्रीमति स्मृति ईरानी पर एफआईआर दर्ज करवाएंगे।

टॉम वडक्कन द्वारा दिए बयान पर पूछे एक अन्य प्रश्न के उत्तर में श्री सुरजेवाला ने कहा कि हर वो व्यक्ति जो पार्टी छोड़कर किसी दूसरी पार्टी में बेहतर भविष्य की तलाश करता है, उसे कुछ ना कुछ कहना पड़ता है, जब वो आज तक मोदी जी को गालियां देते थे, तो उसके बारे में मोदी जी का, रविशंकर जी का क्या ओपिनियन है, मुझे लगता है आपके चैनल ने ये जरुर पूछा होगा।

एक अन्य प्रश्न पर कि कानून मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद की तरफ से कहा जा रहा है कि आज चीन को लेकर नेहरु जी द्वारा की गई गलतियों को देश भुगत रहा है, श्री सुरजेवाला ने कहा कि सबसे पहले तो हम ये कहना चाहेंगे कि आतंकवाद के खिलाफ पूरे विश्व में जो लड़ने का एक मिशन है, उसे गहरा आघात पहुंचा जब कल रात इंडियन स्टैंडर्ड टाईम के मुताबित चीन ने उग्रवादी मौलाना मसूद अजहर को अंतर्राष्ट्रीय उग्रवादी घोषित करने पर रोक लगवा दी। एक बार फिर ये साबित हो गया कि चीन अपने अलाइ पाकिस्तान के लिए, उस पाकिस्तान के लिए जो उग्रवाद का पालक और पोषक है, उस पाकिस्तान का जो खुद एक टेररिस्ट स्टेट है, उस पाकिस्तान का जहाँ आईएसआई और सेना उग्रवादियों को पनाह भी देती है और पोषण भी। दुर्भाग्य से चीन उस पाकिस्तान और पाकिस्तान में छुपे, बल्कि खुलेआम घूम रहे आतंकवादी मौलाना मसूद अजहर की मदद में आ खड़ा हुआ, ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और जहाँ तक मोदी जी का प्रश्न है, सबसे पहले तो उनके आदरणीय मंत्री ये भी बता दें कि आए दिन जो कूटनीतिक विफलताएं हैं, जिनसे हमारे विरोधियों और दुश्मनों को साहस मिलता है, उसके बारे में मोदी जी की राय क्या है? सच्चाई ये है कि मौजूदा स्थिति कमजोर मोदी सरकार की 5 साल की ढुलमुल नीतियों का परिणाम है, जिसके चलते चीन ने मौलाना मसूद अजहर को अंतर्राष्ट्रीय उग्रवादी घोषित करने पर रोक लगवा दी। क्या मोदी जी, जो जब भी चीन का

प्रश्न आता है 2013 में लाल आँख दिखाकर बात करने की बात करते थे और अब मौन मोदी बन जाते हैं, कुछ मूलभूत सवालों का वो और उनकी सरकार देश को जवाब देगी।

पहला, जब चीन ने डोकलाम में हमारी सेना से 10 मीटर दूर तक फुल फ्लेजड मिलिट्री कॉम्लेक्स बना लिया, तो मोदी जी चुप क्यों हैं?

जब चीन ने साउथ डोकलाम में सिलीगुड़ी कॉरिडोर तक, चिकन नैक तक सड़क बना कर घुसपैठ कर ली, उस टेरिटरी में जो उनकी नहीं है, तो मोदी जी आप चुप क्यों हैं?

जब चीन ने पाकिस्तान ऑक्यूपाईड कश्मीर के अंदर से 54 बिलियन डॉलर की लागत से चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर बना लिया और गवादर पोर्ट तक अपनी सबमरीन, अपनी पनडुब्बियाँ बैठा ली, जिनसे वो हमारी सीमा तक आक्रमण कर सकते हैं, तो मोदी जी चुप क्यों हैं?

जब चीन ने अरुणाचल के बॉर्डर पर माईनिंग भी की और टनलस भी बना लिए, तो मोदी जी आप चुप क्यों हैं?

जब चीन ने सिक्किम के साथ अपने एयरबेस को सामरिक दृष्टि से अपग्रेड किया, जिससे भारत को आँखे दिखाई जा सकें, तो मोदी जी आप चुप क्यों हैं?

जब चीन ने यूनाइटेड नेशन की सिक्योरिटी काउंसिल की परमानेंट मेंबरशिप भारत को मिले, इसको अपोज किया, तो मोदी जी आप चुप क्यों हैं?

जब चीन ने न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप का भारत को सदस्य बनाया जाए, उसको ब्लॉक किया और हमें उग्रवादी राष्ट्र पाकिस्तान के बराबर तोल दिया, तो मोदी जी आप चुप क्यों हैं?
हमारे देश के अभिन्न हिस्से अरुणाचल प्रदेश में जब चीन ने मोदी जी की विजिट को अपोज किया अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तो मोदी जी आप चुप क्यों बैठे थे?
जब चीन ने लाइन ऑफ कंट्रोल का 471 बार उल्लघंन किया, तो मोदी जी आप चुप क्यों हैं? वो लद्दाख हो या चमोली हो।

जब चीन ने उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारत के एयरस्पेस का उल्लंघन किया, तो मोदी सरकार और मोदी जी आप चुप क्यों हैं?

जब चीन ने. वो नीचे श्रीलंका हो, नेपाल हो, मालदीव हो, इन राष्ट्रों के अंदर भी कहीं ना कहीं अपने सैन्य अड्डे बनाने का दुस्साहस किया और सामरिक दृष्टि से अपनी पींगे हमारी पड़ोसी देशों से बढ़ाई, तो मोदी जी आप चुप क्यों हैं?

चार-चार बार ऐजेंडा लैस विजिट पर जब मोदी जी आप चीन गए और आपने ना वहाँ डोकलाम की चर्चा की और ना मसूद अजहर का नाम लिया तो देश आपके बारे में क्या समझे? जब आप चीन के राष्ट्रपति को गुजरात बुला कर झूला झुलाते हैं और चीन हमारी सीमा का उल्लंघन करता है तो मोदी जी आप चुप क्यों हैं? 5 साल में कौन सी लाल आँख दिखाई मोदी जी आपने?हाँ, लाल आँख दिखाई 5 मुद्दों पर।

पहला, चीन के राष्ट्रपति के साथ गुजरात में बैठकर झूला झूला। क्या यही आपकी लाल आँख है?

दूसरा, झप्पी का आदान-प्रदान किया, क्या यही आपकी लाल आँख है?

तीसरा, चीन से जो आयात होता है, वो 52 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर हो गया और 2017-18 में वो 70 हजार करोड़ हो गया, यानि देश में चीन की बनी हुई गुड़स, 'मेड इन चाईना' को प्रमोट कर रहे हैं, क्या ये आपकी लाल आँख है? यहाँ तक कि हमारी फौज के लिए जो बुलेट प्रूफ जैकेट खरीदी जाएंगी उनमें भी 'मेड इन चाईना' का इस्तेमाल होगा, क्या यही आपकी लाल आँख है? जो कांग्रेस-यूपीए सरकार ने माउटेंन स्ट्राईक कोर 90,300 नए सोल्जर्स की नियुक्ति और 64,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च से बनाने का निर्णय किया था, आपने उसे कूड़ेदान में डाल दिया, क्या यही आपकी लाल आँख है? 2018 में एक बार भी मोदी जी आपने मौलाना मसूद अजहर का नाम तक नहीं लिया, क्या ये आपकी लाल आँख है? सच्चाई ये है कि एक कमजोर और ढुल-मुल प्रधानमंत्री की ढुल-मुल नीतियों ने आज देश को इस दोराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है और इसका जवाब उनको देना पड़ेगा। एक बात और मैं कहना चाहूंगा कि जो उनके मंत्री आज अनाप-शनाप इल्जाम लगा रहे हैं, मैंने आपको पहले भी कहा कि We have a lawless ministers, किसी ने कहा है कि a little knowledge is a dangerous thing and no knowledge is more dangerous. सच्चाई ये है कि कानून मंत्री को ना कानून की

जानकारी, ना नीतियों की जानकारी, ना संधियों की जानकारी, ना यूनाइटेड नेशन्स के चारटर की जानकारी। भारतीय जनता पार्टी के सम्मानित केन्द्रीय मंत्री जी, यूनाइटेड नेशन्स की सिक्योरिटी काउंसिल का गठन आपकी जानकारी के लिए बताएं, 1945 में हुआ था और 1945 से आज तक कोई देश यूनाइटेड नेशन्स की सिक्योरिटी काउंसिल का नया मैंबर नहीं बना। हिंदुस्तान को आजादी 15 अगस्त, 1947 को मिली थी, 1945 से आजतक यूएनएससी का कोई नया मैंबर एड नहीं हुआ। बगैर जानकारी के इस प्रकार के ऊल-जलूल बयान देने वाले, कानून और नीति ना जानने वाले बचकाना बातें करने वाले, आए दिन मेहकमा चलाने की बजाए टेलीविजन पर बैठे रहने वाले, गैर कानूनी कानून मंत्री के बारे में और उनकी ना समझी के बारे में और क्या कहा जाए, जिसे ये ही नहीं पता कि यूएनएससी का गठन 1945 में हुआ और 1945 से 2019 तक कोई भी नया मैंबर यूनाइटेड नेशन की सिक्योरिटी काउंसिल में एड ही नहीं हुआ। ये प्रश्न जो आपका फैवरेट पास टाईम है, देश के निर्माता पंडित जवाहर लाल नेहरु जी के बारे में अपशब्दों का इस्तेमाल करना And let me quote Pt. Jawaharlal Nehru from the Parliament when a similar question was asked of him and he said this and the question was asked by Shri J. N. Parikh and he said on the question of Membership of the UNSC and I quote, "There has been no offer, formal or informal, of this kind. Some vague references have appeared in the press about it, which have no foundation in fact. The composition of the Security Council is prescribed by the UN Charter, according to which certain specified nations have permanent seats. No change or addition can be made to this without an amendment of the Charter. There is, therefore, no question of a seat being offered and India declining it. Our declared policy is to support the admission of all nations qualified for UN membership". Shri Surjewala said this is what Pt. Nehru said.

शायद गैर कानूनी कानून मंत्री को ये भी नहीं पता कि यूएनएससी का मैंबर बनने के लिए यूनाइटेड नेशन्स के चार्टर के अमेंडमैंट की आवश्यकता है और 1945 से 2019 तक, आज तक उसमें कभी संशोधन नहीं किया गया। जो सरकार इस प्रकार की बचकाना बात करे और जिस सरकार के मंत्री इस प्रकार के ऊल-जलूल बयान दे, ये उनके दिवालिएपन को साफ दर्शाती है। सच्चाई ये है कि मोदी सरकार राजनीतिक दवालिएपन

की शिकार है और उनके मंत्री भी राजनीतिक दिवालिएपन के शिकार हैं। इसलिए वो अपनी खिसियानी बिल्ली खंबा नोचे, ढुल-मुल नीति मोदी जी आपकी, कमजोर प्रधानमंत्री आप, चीन के आगे नजरें झुकाकर बैठें आप, चीन के आगे बात ना करने का साहस आपमें नहीं, भारत के हितों की रक्षा करने में फेल मोदी जी आप और इल्जाम पंडित जवाहरलाल नेहरु जी पर, अजीब आदमी हैं। इसका भी जवाब दे देते, ये मैंने 10 बिंदु रखे -

डोकलाम पर कब्जा हुआ, डोकलाम में सड़क बनी, चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर बना, पाकिस्तान ऑक्यूपाईड कश्मीर में से, जो हमारा हिस्सा है। चीन ने न्यूक्लियर सप्लायर ग्रुप का मैंबर बनने से हमें रोकने का दुस्साहस किया, चीन ने यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल में हमारी जो बिड है मैंबर बनने की उसको अपोज किया। चीन ने हमारे देश के हिस्से अरुणाचल जाने पर विरोध किया, चीन ने हमारी लाइन ऑफ कंट्रोल का उलंल्घन किया, एयरस्पेस का उल्लंघन किया, चीन ने हमारे पड़ोस के अंदर सामरिक दृष्टि से ठिकाने बना लिए, आप सोए पड़े थे या जाग रहे थे? सच्चाई ये है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ और देश के हितों के साथ खिलवाड़ एक कमजोर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और एक ढुल-मुल सरकार कर रही है और बचकाना बातें करके, ऊल-जलूल बातें करके वो अपने राजनीतिक दिवालिएपन का प्रमाण दे रहे हैं।

एक अन्य प्रश्न पर कि क्या आपको लगता है कि अब समय आ गया है कि चीन के बने प्रोडक्टस का बहिष्कार करें, श्री सुरजेवाला ने कहा कि एक जिम्मेवार नागरिक होने के नाते मैंने गंभीर बात देश के समक्ष रखी है। 2014 में जब हमने सरकार छोड़ी तब चीन से इम्पोर्ट ऑफ गुड्स 4,000 करोड़ रुपए थे, मोदी जी जो लाल आँख दिखाना चाहते थे चीन को, उनके चलते इम्पोर्ट ऑफ गुड्स 70,000 करोड़ को क्रोस कर गया है। आप मेड इन चाईना को प्रमोट कर रहे हैं या मेक इन इंडिया को, ये कैसे प्रधानमंत्री हैं? जो ट्रेड डैफिसिट है, वो 52 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंच गया है, यानि चीन से आने वाली जो चीनी गुड़स हैं उनकी संख्या 52 बिलियन अमेरिकी डॉलर अधिक है तो मेक इन इंडिया का क्या होगा, तो हिंदुस्तान के उद्योग और धंधों का क्या होगा, तो हिंदुस्तान के व्यापार का क्या होगा, दुनिय़ा में सब देश एक दूसरे से ट्रेड करते हैं, पर सब अपने-अपने हितों

की रक्षा भी करते हैं। प्रधानमंत्री जी तो बड़े जोर-शोर से मेक इन इंडिया को प्रमोट करते थे, पर जब मेक इन इंडिया को प्रधानमंत्री ही मेड इन चाईना बना रहे हैं तो फिर देश का होगा क्या? ये महत्वपूर्ण प्रश्न है, जो सरकार से हम पूछना चाहते हैं।

दिल्ली में गठबंधन को लेकर पूछे गए एक अन्य प्रश्न के उत्तर में श्री सुरजेवाला ने कहा किकांग्रेस पार्टी में एक प्रजातांत्रिक प्रक्रिया है, हम अपने कार्यकर्ताओं की राय लेकर निर्णय करते हैं, ये कांग्रेस अध्यक्ष श्री राहुल गांधी का निर्णय है। राहुल गांधी जी ने कांग्रेस की दिल्ली ईकाई की इस बारे में राय पहले ही ले लिया ली है और उन्होंने स्वयं इस मंच से पहले जवाब दिया था। मुझे लगता है कि राहुल जी के जवाब के बाद अगर कोई और यथास्थिति बदलेगी, तो हम आपको बताएंगे, नहीं तो उनके द्वारा दिया गया जवाब फाईनल है।

On the question of number of jobs created under the 'Mudra Yojana' and anomalies found there under, Shri Surjewala said- that we pointed out yesterday also. Modi Government is the biggest destroyer of jobs. Jobs and Modi Government, jobs are an anthemia for Modi Government, for every action that Prime Minister Modi takes, only leads to decimation of jobs or contraction of jobs in India. Prime Minister Modi does not permit the NSSO Sample Survey on jobs to come out. Modi does not want the Labour Bureau's Survey and data on jobs to come out and now as I pointed out to you, they declined the RTI. They don't even want the Mudra related job figures to come out for the reason is very simple – there are no jobs and that is why Prime Minister wants to defer the data till after the election. That is the simple conspiracy that Modi Government is hatching. You can, however, defer the Labour Bureau, the NSSO, and the Mudra jobs data, where there are non-existent jobs or contraction of jobs, but, you cannot hide the rampant unemployment which is 15% to 27% in this country.

एक अन्य प्रश्न पर कि कल बीजेपी के 2-3 मंत्री चुनाव आयोग गए थे, क्या कहेंगे, श्री सुरजेवाला ने कहा कि the job of the Election Commission is to ensure that there is free and fair election bereft of any pressure or bias in the entire country and I am sure every political party has a right to point out which booths, according to them, are sensitive. We hope the Election Commission will take a non-partisan view and will not be pressurized by the pressure that this Government seeks to

put upon the Election Commission from time to time to settle score with its political rivals.

(At 36.36) On the question that in an interview Shri Arun Jaitley gave on China, and said this is China's older stand on CPEC and as far as India's diplomacy is concerned, Shri Surjewala said, the tragedy of our court gestures are that they see victory in every defeat, every diplomatic defeat. Will the Hon'ble Finance Minister, who replies on everything, except on the issue of economy, answer what is his opinion of China building a military complex in Doklam which is not their territory, ten meters away from the Indian post. Will the Finance Minister also tell what is his opinion on the China building a road in South Doklam almost up to the Siliguri corridor – what we call - the Chicken Neck – which is the entry point to the Seven Sisters State. Will the Finance Minister tell as to why in the four visits of the Prime Minister, the words 'Doklam' and 'Masood Azhar' were not even deliberated or discussed? Will the Finance Minister tell his opinion on China opposing the Membership of Nuclear Supplier Group as also of the UN Security Council? The truth is that this country is a resilient strong nation and the only obstacle in our progress forward in the Committee of Nations is the current dispensation i.e. Modi Government of which Finance Minister Shri Arun Jaitley is a part of. A weak kneed Prime Minister following a non-comprehensive policy – a policy that you can't comprehend is leading to successive diplomatic failure and I think this is something that they need to seriously introspect and answer.

एक अन्य प्रश्न पर कि हरसिमरत कौर बादल ने देश के लोगों से अपील की है कि चीन के प्रोडक्टस का बहिष्कार किया जाए, श्री सुरजेवाला ने कहा कि सबसे पहले तो हरसिमरत कौर जी उनके होटल में जो चाईनीज प्रोडक्ट इस्तेमाल हो रहे हैं, उसको बंद करें।

बिहार गठबंधन पर पूछे एक अन्य प्रश्न के उत्तर में श्री शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि हमारे बीच में अच्छे से तालमेल चल रहा है, कोई दिक्कत नहीं है। मैंने पहले भी कहा कुछ लोग खबरे प्लांट करवाते थे कि ये टूट गया, वो टूट गया, ये समस्या है, वो समस्या है। कल दोपहर 12 बजे से रात के साढ़े आठ बजे तक, कुछ साथी थे, साढ़े आठ घँटे तक हमने, 40 सीटों पर हम कैसे जीत सकते हैं, महागठबंधन के लोग, उसके बारे में चर्चा की

और एक हैल्दी डिस्कशन था कि कैसे, कहाँ से किया जाए। बीजेपी, जेडीयू और पासवान जी 17,17,6। बिहार में बिहार की जनता का धन्यवाद करता हूं कि भाजपा की ये हालत कर दी कि 22 सीट पर भाजपा जीती हुई है, वो 17 पर जेडीयू के कदमों में जाकर बैठी, जिनके लिए मोदी जी ने कहा था कि नीतीश बाबू का डीएनए गड़बड़ है और नीतीश जी ने कहा था, मिट्टी में मिल जाऊंगा, भाजपा से दोबारा हाथ नहीं मिलाऊंगा। मैं ये मानता हूं कि ये हमारी ताकत है कि उनको साथ मिलना पड़ा, 17,17,6 पर वो अभी तक तय नहीं कर पाए। आप पूछिएगा उनसे कि कौन सी सीट पासवान जी लड़ेंगे, कौन सी भाजपा और कौन सी जेडीयू। हमारे में सब तय हुआ है पर हमने एक स्ट्रैटेजी बनाई है उसके हिसाब से थोड़ा और बदलाव भी करना पड़ेगा, तो करेंगे। तो कल ही आपको रणदीप जी ने बताया कि हम तीन दिन के बाद, 17 तारीख को हम अनाउसमेंट करेंगे, पार्ट ऑफ स्ट्रैटेजी हमें लगेगा कि हमें नंबर बताना है और फेज वाईज सीट बतानी है तो वो भी हम करेंगे, पर हमारे बीच में सबकुछ बहुत अच्छी तरह से और कल तेजस्वी जी ने, जो भी मीडिया के साथी वहाँ थे, हमने प्रेस वार्ता की थी कि ये दलों का नहीं, दिलों का मिलन है और यहाँ कोई दिक्कत नहीं आने वाली।

Sd/-
(Vineet Punia)
Secretary
Communication Deptt.
AICC